RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : रविवार 15 अक्टूबर 2023 वर्ष 05 अंक 172 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

दस दिन बाद या तो विजय जुलूस निकलेगा या मेरी अंतिम यात्रा

मनोज जरांगे का महाराष्ट्र सरकार को अल्टीमेटम

मुंबई। संपूर्ण मराठा समाज को कुनबी मराठा का दर्जा देकर ओबीसी कोटे में आरक्षण की मांग कर रहे मनोज जरांगे पाटिल ने शनिवार को एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 10 दिन बाद या तो मराठा समाज का विजय जुलूस निकलेगा या मेरी अंतिम यात्रा।

वह पिछले महीने अपनी इसी मांग को लेकर 17 दिन का अनशन कर चुके हैं। सितंबर में जालना जिले के जिस अंतरवली सराटी गांव में पाटिल ने मराठा आरक्षण की मांग करते हुए 17 दिन अनशन किया था, उसी स्थान पर उन्होंने मराठा समाज की एक बड़ी रैली को संबोधित किया। रैली में काफी संख्या में लोग जुटे। खास बात यह कि इस रैली से ठीक 30 दिन पहले उन्होंने राज्य सरकार को मराठा आरक्षण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 40 दिन का समय दिया था। अब यह अवधि पूरी होने में सिर्फ 10 दिन का समय बाकी है। इसी की ओर संकेत करते हुए मनोज जरांगे ने कहा, मनोज जरांगे का उद्देश्य सरकार पर इस बात के लिए दबाव बनाना है कि या तो वह मराठा समाज के लिए आरक्षण का नया कोटा सुनिश्चित करवाए या उन्हें कुनबी मराठा का दर्जा देकर ओबीसी कोटे के तहत ही आरक्षण दिलवाए।

क्या कुछ बोले मनोज जरांगे?

उन्होंने कहा कि अब हम और इंतजार नहीं कर सकते। मराठा समुदाय को पृथक कोटे से आरक्षण दिलवाया जाए तो हम इसे स्वीकार करेंगे, लेकिन यदि निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण कोटे की सीमा नहीं लांघी जा सकती, तो सभी मराठों को कुनबी का दर्जा देकर उन्हें ओबीसी कोटे के अंतर्गत ही आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि सरकार को हर 10 साल में अन्य पिछड़ा वर्ग का एक सर्वेक्षण करवाना चाहिए। इसमें आरक्षण का लाभ लेकर जो लोग क्रीमी लेयर में आ चुके हों, उनका आरक्षण बंद करने पर विचार करना चाहिए। जरांगे ने पिछले माह अपना अनशन खत्म करने के बाद एवं इस रैली से पहले पूरे महाराष्ट्र का दौरा भी किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। महाराष्ट्र में मराठा समाज की आबादी 32 प्रतिशत के करीब है।

PM मोदी ने मुंबई 141वें IOC सत्र का किया उद्घाटन,

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के लिए टीम इंडिया को दी बधाई

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई में 141वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने वर्ल्ड कप के मुकाबले में पाकिस्तान को हराने के बाद टीम इंडिया को बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ मिली ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देता हूं। 141वें आईओसी सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यहां आयोजित किया जा रहा आईओसी सत्र हमारे लिए गर्व की बात है मैं टीम इंडिया को उनकी ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देता हूं

उन्होंने कहा, भारत देश में ओलंपिक के आयोजन के लिए उत्सुक है। 2036 में ओलंपिक के सफल आयोजन की तैयारी में भारत कोई कसर नहीं छोड़ेगा, ये 140 करोड़ भारतीयों का सपना है। उन्होंने भारत की प्राचीन खेल परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा ,'' खेल भारत में हमारी संस्कृति का, हमारी जीवनशैली का अहम अंग रहा है । भारत के गांवों में खेलों के बिना हमारा हर उत्सव अधूरा है। हम भारतीय सिर्फ खेलप्रेमी नहीं बल्कि हम खेलों को जीने वाले लोग हैं और यह हजारों वर्षों के हमारे इतिहास में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा ,'' सिंधु घाटी की सभ्यता हो, हजारों साल पहले का वैदिक काल हो , हर कालखंड में खेलों को लेकर भारत की विरासत समृद्ध रही है।

मुंबई पुलिस की याचिका बाम्बे हाई कोर्ट ने की खारिज...

कहा- छोटे कपड़े पहनना अश्लीलता नहीं

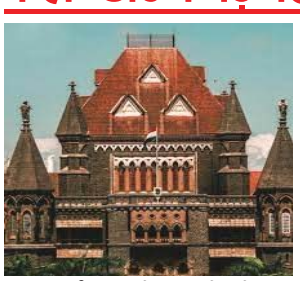

मुंबई : बाम्बे हाई कोर्ट ने एक मामले में कहा कि महिलाओं के छोटे कपड़ों में डांस करने को अश्लीलता नहीं कहा जा सकता है। यह अनैतिक कृत्य नहीं है। इससे किसी को भी परेशानी नहीं होनी चाहिए। अदालत ने 5 लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 294 के तहत दर्ज मामले को रद्द कर दिया। न्यायाधीश विनय जोशी और वाल्मीकि मेनेजेस की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि आरोपी क्रमांक 13 से 18 तक जो कि महिला डांसर हैं, के छोटे कपड़े पहनने और उत्तेजक डांस करने और इशारे करने को अश्लील नहीं कहा जा सकता है। पुलिस ने एफआईआर में इसे अश्लील कहा है। हालांकि बेंच ने यह भी कहा कि हम भारतीय समाज के मौजूदा मानदंडों से परिचित है लेकिन आज के समय में ऐसे कपड़े पहनना सामान्य बात हो गई है और स्वीकार्य भी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि हम कई बार फिल्मों में कपड़े पहनने के तरीकों को देख रहे हैं। इस मामले में धारा 294 लागू नहीं होती है। मुंबई पुलिस ने एक रिजार्ट में रेड की थी। यहां 6 महिलाएं कथित तौर पर छोटी स्कर्ट्स पहनकर नाच रही थीं और वहां आए लोग उन पर रुपये उड़ा रहे थे।

फेसबुक पर आपत्तिजनक वीडियो डालने पर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई,

SC-ST समुदाय को दी थी धमकी...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर आपत्तिजनक वीडियो डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है। इस वीडियो में व्यक्ति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय को गाली देने के साथ और उन्हें धमका रहा था। एक वकील द्वारा शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस ने शुक्रवार को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया। शिकायत के अनुसार आरोपी को वीडियो में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय को मौत की धमकी देते हुए देखा गया। वकील

ने पनवेल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। नागपुर शहर में तहसील पुलिस स्टेशन के इतवारी क्षेत्र में नौकरी से निकाले जाने से नाराज एक व्यक्ति रौनक पालीवाल (24) को पेंट की दुकान में आग लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, उसके मालिक ने उसे व्यवहार संबंधी मुद्दों के कारण बर्खास्त कर दिया था। इससे दुकान मालिक बुरहान दाउद अजीज दाउद (29) को करीब 45 लाख रुपये का नुकसान हो गया। पालीवाल ने लगभग छह माह तक दुकान में काम किया था।

पुलिस को घटना में आरोपी की संलिप्तता का पता सीसीटीवी फुटेज की जांच से हुआ। फुटेज में पालीवाल को दुकान में आग लगाने के पेट्रोल छिड़कते और उसके बाद आग लगाकर दोपहिया वाहन पर भागते हुए देखा जा सकता है। बुरहान की शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने शनिवार को पालीवाल को गिरफ्तार कर लिया। हिरासत में आरोपी ने बताया कि उसने नौकरी से निकाले जाने का बदला लेने के लिए दुकान में आग लगा दी।

मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की बड़ी कार्रवाई, 4 ड्रग तस्करों को किया गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई पुलिस एंटी नारकोटिक्स सेल की बांद्रा यूनिट ने चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। कब्जे से चरस और गांजा जब्त किया गया है। पुलिस ने ड्रग्स पेडलर्स को सांताक्रूज इलाके से गिरफ्तार किया है। जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1.18 करोड़ रुपये है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और चारों तस्करों को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

संपादकीय / लेख

मेडिकल-IIT की होड़...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

देश का एक प्रमुख सर्वेक्षण कोचिंग हब के रूप में विकसित हो गया है, जो कि राजस्थान के कोटा शहर में जिला प्रशासन के निदेशों पर आधारित है। रह रहे हैं। यह सर्वे इस साल अप्रैल से सितंबर महीने के बीच किया गया। ध्यान रहे, इसी अवधि में वहां से 19 बच्चों की किताबों की खबरें आईं। उदाहरण के तौर पर जोड़ा जाए तो इस साल स्कॉलरशिप करने वाले की संख्या 25 हो जाती है। मित्रों की संख्या की संख्या को देखते हुए ही जिला प्रशासन ने 2015 से इनका रिकॉर्ड रखना शुरू किया और उस समय से किसी भी एक साल में यह सबसे बड़ी संख्या में हुई है। हालाँकि यह सर्वेक्षण समस्या को समझने की नहीं बल्कि उसे हल करने की कोशिशों का हिस्सा है। सर्वेक्षण के दौरान 83 ऐसे मृतक मिले, जो सीवियर अवसाद के शिकार थे। दो दोस्तों को तो अंकल के बेटे मिल गए। उन्होंने खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इन सबको न केवल सामुहिक काउंसिलिंग उपलब्ध कराई गई बल्कि कोचिंग सेंटर और संरचनाओं को सूचित किया गया ताकि उन्हें राहत देने वाले आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इस तरह माना जा सकता है कि इन सभी मामलों में विद्यार्थियों को समय पर रोका जा सकता है। लेकिन ये कोशिश बिलकुल भी नहीं, ये बात तो साफ है कि जब ये सर्वे चल रहा था तब भी किसी दोस्त की खबर आ रही थी. और यह तब था, जब परमाणु हमले की अन्य कोशिशें भी साथ-साथ चल रही थीं।

इनमें से कुछ अंडर कमोडिटी और पिज्जा सेंटरों के स्कॉशिया में स्प्रिंग वाले सीलिंग फैन असेसमेंट और स्कॉलरशिप में आत्महत्या-साहित्य नेट स्टेक जैसे कदम उठाए गए। जैसा कि सर्वेक्षण से भी संकेत मिलता है, समस्या की जड़ कहीं और है। दोस्त जब कोटा आते हैं तो शुरू के एक-दो महीने शहर में रहते हैं और मौज-मस्ती में समय बिताते हैं। मामला तब है जब कोचिंग की पढ़ाई अपनी पूरी रवानी पर आती है। रोज की पढ़ाई के साथ-साथ सामग्रियां और सामग्रियां मिलती हैं और प्रतिस्पर्धा में पीछे छूटने का एहसास होता है घर-परिवार से दूर अकेले रह रहे किशोरों के लिए भारी उपलब्धि होती है। कोटा में समस्या अपनी सबसे गंभीर रूप में जरूर दिखती है, लेकिन इसका स्वरूप राष्ट्रीय है। 20-20 लाख के लिए फाइनल स्वाहा रिटर्न फाइल अगर होड में रहेगा, जैसा कि NEET में देखने को मिलता है, तो कॉम्पिटिशन के मार्क फॉर्मेट का साइज आसानी से लिया जा सकता है। ऐसा क्यों है कि देश में मध्यम दर्जे के परिवार वालों को आज भी अपने बच्चों के साथ उनकी मेडिकल या आईआईटी ड्रेप में ही सफलता मिलती है? जब तक इस स्थिति में बदलाव के प्रयास नहीं होंगे तब तक ऑस्ट्रिया नेट, स्प्रिंग वाले यूरोप और काउंसिलिंग जैसे कदम हमें सीमित नतीजे ही देंगे।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

एमपूर्व विभाग में 17 तारीक को संपूर्ण विभाग के प्रभागों में पेयजल कटौती

मानखूर्द शिवाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र में बदबूदार पेयजल आपूर्ति समेत लीकेज रोखने होगी मरम्मत

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) पिछले कई महीनों से एमपुर्व विभाग के विभिन्न प्रभागों में एमपूर्व मनपा जल विभाग की ओर से पेयजल की कटौती दिनांक 17 /10/2023 को दोपहर दो बजे से लेकर रात दस बजे तक किया जायेगा । किसको लेकर मुंबई मनपा एमपूर्व विभाग के संबंधित जल विभाग के अधिकारियों ने संपूर्ण विभाग की जनता से दो दिन पूर्व ही पानी का स्टॉक घरों में रखने की अपील किया है । पेयजल समस्या की कटौती से एमपुर्व मनपा प्रभाग क्रमांक.134 , 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142 के प्रभागों में पानी नहीं आयेगा । गौरतलब हो कि एमपूर्व विभाग में पिछले कई दिनों से नागरिकों के घरों, प्रतिष्ठानों में

पीने के पानी गंदा बदबूदार आने की शिकायत मिल रही थी । इसके साथ ही जलवाहिनी के पाइपो से पानी की गलने के कारण फिजूल बरबाद होने के अधिकांश विभागो में शिकायत में वृद्धि होने के कारण बीएमसी ने मरम्मत करने के लिय कमर कसी है । दूषित बदबूदार पेयजल के हालत ऐसे हो चुके है गोवंडी शिवाजी नगर हुड्डा होटल के सामने बीएमसी का दो नंबर स्कूल में भी दूषित पेय जल की समस्या उजागर होने के कारण बीएमसी पानी के टैंकरों से मनपा स्कूलों में आपूर्ति की जा रही । क्योंकि कल चेंबूर की एक मनपा स्कूल में दोपहर का मिड डे मील की खिचड़ी दाल खाकर विद्यार्थियो को विष बाधा होने के कारण उल्टी , पेट दर्द के कारण चेंबूर के शताब्दी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था । जिसके कारण एमपूर्व बीएमसी का जल विभाग कोई खतरा मोल नही लेना चाहता है । जिसके कारण विभाग के सभी मनपा स्कूलों में बीएमसी के पानी टैंकर से सप्लाई हो रही है ।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर भिवंडी मनपा में प्रतिज्ञा कार्यक्रम सम्पन्न!

मुस्तकीम खान

भिवंडी: संयुक्त राष्ट्र ने आपदा जोखिम को कम करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए 13 अक्टूबर को आपदा निवारण दिवस घोषित किया है। राज्य सरकार ने 08 सितम्बर 2017 को एक सरकारी परिपत्र जारी कर प्रत्येक वर्ष 13 अक्टूबर को सभी जिलों एवं राज्य स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के रूप में मनाने तथा इस दिन सभी जिलों में रंगारंग अभ्यास आयोजित करने के निर्देश जारी किये। जिसके अनुसार 13 अक्टूबर, 2023 को सुबह 11:00 बजे भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पलिका में प्रतिज्ञा ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मनपा आयुक्त एवं प्रशासक अजय वैद्य के निदेर्शानुसार अपर आयुक्त विट्ठल डाके, उपायुक्त मुख्यालय डॉ. सचिन माने, उपायुक्त (अनधिकृत निर्माण एवं अतिक्रमण) दीपक झिनजाड, व समस्त नियंत्रण अधिकारी, आपदा प्रबंधन प्रमुख साकिब खरबे, जनसंपर्क अधिकारी मिलिंद पलासुले के साथ ही नगर निगम के सभी विभागाध्यक्ष और सभी प्रभाग अधिकारी,तथा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे सभी लोगों ने शपथ ली।

गोवंडी सपा विधायक अबू आसिम आजमी ने किया नई सड़क बनाने का भूमि पूजन

गोवंडी (फिरोज सिद्दीकी) शिवाजीनगर के भीतरी इलाकों से जी एम लेकर लिंक रोड तक कि सड़कों को ट्रैफिक जाम से मुक्त करने के लिए आज मानखूर्द शिवाजीनगर सपा विधायक अबू आसिम आजमी ने शिवाजीनगर पोस्ट ऑफिस के सामने वीर सावरकर स्कूल के प्रांगण में स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा की यह जो नई सड़क बनेगी उसे घाटकोपर मानखूर्द लिंक रोड से सीधा जोड़ा जायेगा ताकि ट्रैफिक की समस्या से निर्वाचन क्षेत्र की एक बहुत बड़ी आबादी ट्रैफिक जाम से मुक्त हो सके ।

ट्रैफिक जाम की समस्या इस कदर है की सपा विधायक को स्वयं ई रिक्शा का सहारा लेना पड़ता है अपने निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में जाकर किसी विकास कार्य को लेकर नागरीको से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए । तो इससे अंदाजा लगाया जा सकता है की मानखूर्द शिवाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र की जनता किस कदर ट्रैफिक जाम की समस्या से ग्रस्त है । ट्रैफिक जाम से प्रभावित इलाको में लोटस कॉलोनी से लगाकर शिवाजीनगर , रफीक नगर ,निरंकारी ,संजय नगर से लेकर 90 फिट नया बस डिपो तथा दूसरी ओर शिवाजीनगर सिग्नल से लेकर वर्धमान ज्वेलर्स होते हुए सीधा जूना बस डिपो तक लगाने वाले जाम ।वहीं बैगनवाड़ी रिक्शा स्टैंड से लेकर सिग्नल तक रोजाना सुबह से लेकर शाम का जाम से नागरिक ऊब चुके है ।ऐसा ही नजारा कुछ मानखूर्द मंडाला इंदिरानगर 30 फिट रोड़ से लेकर गणेश मंदिर आखिर मैदान तक का जाम लोकप्रिय है ।परंतु इस ट्रैफिक जाम का कोई भी उपाय प्रशासन के पास अभी तक नही है ,लाचार हो चुका है ।नागरीको को ट्रैफिक जाम की समस्या मुक्त करने के लिए ।

गोरेगांव पूर्व में मोटरसाइकिल की टक्कर से बुजुर्ग व्यक्ति की मौत, ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबई: गोरेगांव पूर्व में सड़क पर चलते समय एक मोटरसाइकिल की टक्कर से 69 वर्षीय एक व्यक्ति की जान चली गई। यह घटना 11 अक्टूबर को शाम 4.20 बजे वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर गोरेगांव पूर्व में एक बस स्टॉप के पास विरवानी स्काईवॉक ब्रिज के नीचे हुई। आरे-उप पुलिस स्टेशन में आईपीसी अधिनियम की धारा 279 (रैश ड्राइविंग), 304 (ए) (लापरवाही से मौत का कारण) और 134 (1) (किसी भी चोट या मौत के लिए आपराधिक कार्रवाई) और 134 के तहत मामला दर्ज किया गया है। 12

अक्टूबर को मोटर वाहन अधिनियम (बी) (हमले पर उकसाना)।

तुंगारल, लोनावला के लूमाजी जंभुलकर (69) सड़क के किनारे चल रहे थे, तभी एक मोटरसाइकिल चालक (एमएच 04 एचबी 5593) तेज गति से आया और जंभुलकर से टकरा गया। वरिष्ठ नागरिक जमीन पर गिर गए और उनके सिर में चोट लग गई। आसपास की पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और उसे पश्चिम के जोगेश्वरी में ट्रॉमा केयर अस्पताल ले गई। चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद, डॉक्टरों ने उन्हें 12 अक्टूबर को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बाद में पीड़ित की पहचान लुमाजी जंभुलकर के रूप में की, और उनकी बेटी, जो शंकर नगर, अल्बर्ट कंपाउंड, मलाड पूर्व में रहती है, ने उनके शव की पहचान की। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने उनका शव उनकी बेटी को सौंप दिया। गोरेगांव पूर्व में एक निजी कंपनी में काम करने वाले आरोपी जेवियर डिसूजा (45) को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुंबई में दवा की कमी से एमडीआर-टीबी के मरीज परेशान

मुंबईः बहु-दवा प्रतिरोधी तपेदिक (एमडीआर-टीबी) रोगियों के प्रति उदासीनता जारी है क्योंकि केंद्र सरकार ने मंगलवार को महाराष्ट्र के लिए साइक्लोसेरिन की केवल 25,000 गोलियां भेजी हैं, जबकि वास्तव में प्रति माह तीन लाख गोलियों की आवश्यकता होती है। इसके अलावा डेलामेनिड की 37,200 गोलियाँ भी प्राप्त हुई हैं जो उन सभी रोगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है जिन्हें तत्काल आवश्यकता है। ये दोनों एमडीआर-टीबी के इलाज के लिए प्रमुख दवाएं हैं। जबकि देश ने 2025 तक टीबी को खत्म करने का लक्ष्य रखा है, एमडीआर-टीबी रोगियों के लिए महत्वपूर्ण तीन दवाएं झ क्लोफाज़िमाइन, लाइनजोलिड, साइक्लोसेरिन - लगभग एक महीने से महाराष्ट्र में उपलब्ध नहीं हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग इस कमी के लिए केंद्र को दोषी ठहराता है और इसके विपरीत भी। राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि आवश्यक दवाओं की कमी के कारण एमडीआर-टीबी की स्थिति खराब होती जा रही है।

राज्य में 10 हजार से ज्यादा एमडीआर-टीबी मरीज

''राज्य में 10,000 से अधिक एमडीआर-टीबी मरीज हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मुंबई से हैं। हालांकि, दवा की कमी के कारण मरीजों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। डेलामेनिड के अलावा, शहर और राज्य में जून से अन्य टीबी दवाओं - मोक्सीफ्लोक्सासिन, साइक्लोसेरिन लाइनजोलिड, क्लोफाजामाइन, पाइरिडोक्सिन - की कमी देखी जा रही है, ''उन्होंने कहा। राज्य टीबी विभाग के एक चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि उन्हें इस सप्ताह साइक्लोसेरिन और डेलामेनिड का पहला स्टॉक प्राप्त हुआ है। और स्टॉक मिलने की संभावना है लेकिन कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। इसके अलावा, इन स्टॉक को जिलों को उनकी आवश्यकताओं और तात्कालिकता के आधार पर वितरित किया जाएगा।

टीबी से बचे और कार्यकर्ता गणेश आचार्य ने कहा कि अन्य दवाओं की

उपलब्धता पर कोई अपडेट नहीं है और केंद्र ने कहा है कि वे अगले 10 दिनों में टीबी की दवाएं वितरित करेंगे। ''9 अक्टूबर को, केंद्र ने राज्यों में 10.55 लाख साइक्लोसेरिन 250 कैप्सूल वितरित किए। महाराष्ट्र को 4,16,750 साइक्लोसेरिन कैप्सूल की आवश्यकता है, लेकिन तीन जिलों को केवल 1.30 लाख दिए गए हैं, जिनमें मुंबई (70,000), पुणे (40,000) और नागपुर (30,000) शामिल हैं। लेकिन केंद्र अभी भी कमी को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है, ''उन्होंने कहा।

टीबी रोधी दवाओं का बार-बार स्टॉक खत्म होना

आचार्य ने आगे कहा कि पिछले कुछ महीने दवा प्रतिरोधी टीबी रोगियों के लिए कठिन रहे हैं क्योंकि उन्हें दवाएँ प्राप्त करने और यहां तक कि अपनी जेब से खर्च करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा। ''संकट शुरू होने से पहले, मरीजों को एक महीने की दवाएँ मिलती थीं। टीबी रोधी दवाओं का लगातार स्टॉक खत्म होने से राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के माध्यम से हुई प्रगति को नुकसान पहुंचने का खतरा है,'' उन्होंने निष्कर्ष निकाला।

दो सप्ताह पहले 26 सितंबर को, पीआईबी इंडिया द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया था कि भारत में टीबी रोधी दवाओं की कमी का आरोप लगाने वाली कुछ मीडिया रिपोर्टें ''अस्पष्ट और गलत जानकारी वाली हैं, स्टॉक में एंटी-टीबी दवाओं की उपलब्धता के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं है।'' लेकिन उसी विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि ''दुर्लभ स्थितियों में, राज्यों से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत बजट का उपयोग करके सीमित अवधि के लिए स्थानीय स्तर पर कुछ दवाएं खरीदने का अनुरोध किया गया था ताकि व्यक्तिगत रोगी देखभाल प्रभावित न हो।'' केंद्र ने 113 वैश्विक टीबी संगठनों और दुनिया भर के 700 से अधिक टीबी अधिवक्ताओं द्वारा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को एक संयुक्त अपील भेजकर भारत में स्टॉक-आउट के मुद्दे पर तत्काल आविष्कार की मांग करने के दो दिन बाद एक और विज्ञप्ति जारी की। हालाँकि, मंत्रालय ने 1 अक्टूबर को एक बयान जारी कर दावा किया कि सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त स्टॉक में उपलब्ध थीं झ निक्षय ऐप से डेटा सोर्सिंग। केंद्र के संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के डॉट्स प्लस दिशानिर्देश भी दूसरी पंक्ति की दवाओं (लाइनजोलिड, क्लोफाजामाइन, पाइरिडोक्सिन और डेलामेनिड) की निर्बाध आपूर्ति की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं। आचार्य ने कहा, रुकावट से दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने की संभावना बढ़ जाएगी और बड़े समुदाय में बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाएगा।

प्रदेश में एमडीआर-टीबी मरीज 10 हजार

क्लोफाज़िमाइन, लाइनजोलिड, साइक्लोसेरिन - एमडीआर-टीबी रोगियों के लिए महत्वपूर्ण दवाएं, लगभग एक महीने से महाराष्ट्र में उपलब्ध नहीं हैं

9 अक्टूबर को, केंद्र ने राज्यों में 10.55 लाख साइक्लोसेरिन 250 कैप्सूल वितरित किए

महा को 4,16,750 साइक्लोसेरिन कैप्सूल की आवश्यकता है, लेकिन तीन जिलों को केवल 1.30 लाख दिए गए हैं -

मुंबई (70,000), पुणे (40,000) और नागपुर (30,000)

आप फसल बीमा क्यों देते हैं? मंत्रियों की तस्वीरें उल्टी लगाकर NCP कांग्रेस का किसान मार्च

जलगांवः जलगांव जिले के किसानों को केले की फसल बीमा का तत्काल भुगतान करने की मांग को लेकर राकांपा के किसान सेल ने शुक्रवार को जलगांव में कलेक्टर कार्यालय तक मार्च निकाला. इस समय किसान ह्यपिक बीमा देता का शिंगाड़े खाताह्न जैसे नारे लगाते हुए पूरे इलाके में भगदड़ मच गई. इस बार उनका विरोध जिले के तीन मंत्रियों की उल्टी फोटो वाले बैनर से किया गया. जलगांव राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का आकाशवाणी चौक स्थित कार्यालय दोपहर 2 बजे शुरू हुआ। इस समय जिला अध्यक्ष एड. रवींद्र पाटिल, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष अरुणभाई गुजराती, पूर्व संरक्षक मंत्री डॉ. सतीश पाटिल, पूर्व विधायक बी.एस. पाटिल, दिलीप सोनवणे, किसान सेल के सोपान पाटिल, अशोक लाडवंजारी, इंदिरा पाटिल, रिंकू चौधरी सहित उपस्थित पदाधिकारियों के कार्यकताओं ने हाथ में सींग लेकर कलेक्टर कार्यालय पर हमला कर दिया।

मंत्रियों की उलटी तस्वीरों वाले बैनर

इस तथ्य के विरोध में कि जलगांव जिले में तीन मंत्री होने के बावजूद किसानों की समस्याओं

का समाधान नहीं किया जा रहा है, प्रदर्शनकारियों ने शिंगदा मोर्चा के सामने तीन मंत्रियों अर्थात संरक्षक मंत्री गुलाबराव पाटिल की उलटी तस्वीरों वाला एक बैनर रखा।, मंत्री गिरीश महाजन, मंत्री अनिल भाईदास पाटिल. इस मौके पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और केला फसल बीमा कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गयी और सरकार की निंदा की गयी और किसानों को उनका हक और केला फसल बीमा का पैसा जल्द से जल्द दिलाने की मांग की गयी. आरोप लगाया गया कि सरकार किसानों को उनका वाजिब केला फसल बीमा दिलाने में देरी कर रही है।नासिक ड्रग मामले से दहला महाराष्ट्र, इसके बाद मुंबई में बड़ी कार्रवाई, 80 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्तऔर औपचारिकताएं खत्म हो गईं शिंगाडे मोर्चा के बड़ा होने की आशंका को देखते हुए पुलिस की कड़ी सुरक्षा थी. हालांकि, दोपहर के 1 बजने के बावजूद 100 से 700 पदाधिकारी और किसान ही जुटे थे, ऐसे में एनसीपी ने दोपहर 2:50 बजे मार्च निकालकर विरोध की औपचारिकता पूरी की.

कोली समुदाय के आंदोलन का समर्थन करें

मार्च के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ने से पहले एनसीपी पदाधिकारियों ने कोली समुदाय की भूख हड़ताल पर जाकर अपना समर्थन देने की घोषणा की. इस समय डॉ. सतीश पाटिल ने एनसीपी की स्थिति स्पष्ट की.

भारत-श्रीलंका के बीच हाई स्पीड यात्री नौका सेवा 4 दशक बाद फिर से शुरू

चेन्नईः तमिलनाडु के नागपट्टिनम से श्रीलंका के कांकेसंतुरई के बीच हाई स्पीड यात्री नौका सेवा 40 साल के बाद शनिवार (14 अक्टूबर) को फिर से शुरू की गई। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री, सबार्नंद सोनोवाल और तमिलनाडु के लोक निर्माण और बंदरगाह मंत्री, ई.वी. वेलु ने शनिवार को नागपट्टिनम बंदरगाह से नौका सेवा को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय मंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि नौका सेवा के संचालन से तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के बीच सांस्कृतिक संबंध बढ़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नागपट्टिनम की तिरुवनल्लूर, नागोर और वेलानकन्नी जैसे धार्मिक

केंद्रों से निकटता को देखते हुए श्रीलंका के कई तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने वीडियो संदेशों के माध्यम से दोनों देशों के बीच नौका सेवा की शुरूआत की सराहना की। मोदी ने कहा कि नौका सेवा से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और राजनयिक संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''कनेक्टिविटी भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी के संयुक्त दृष्टिकोण का केंद्रीय विषय है और हम रामेश्वरम और तलाईमन्नार के बीच नौका सेवा फिर से शुरू करेंगे।''

विक्रमसिंघे ने कहा कि दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार के लिए नौका सेवा एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका में गृह युद्ध (1983) के कारण नौका सेवा निलंबित कर दी गई थी। हाई स्पीड नौका शिल्प, चेरियापानी पर 50 यात्री, चालक दल के 12 सदस्य और कैप्टन बीजू जॉर्ज सवार हैं। एक निजी एजेंसी शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित नौका सेवा के लिए टिकट बेचेगी। नौका 150 यात्रियों को एक बार में ले जा सकती है और सुबह 7 बजे नागपट्टिनम से शुरू होगी और 11 बजे कनकेसंथुराई पहुंचेगी। नौका दोपहर 1.30 बजे वहां से रवाना होगी और शाम 5.30 बजे नागपट्टिनम पहुंचेगी। ऑपरेशन उत्तरपूर्वी मानसून के सक्रिय होने से पहले 23 अक्टूबर तक चलाया जाएगा।

राज्य के गृह मंत्रालय ने 104 अधिकारियों को एसीपी स्तर पर पदोन्नत किया गया...

राज्य के गृह मंत्रालय ने सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के रूप में पदोन्नत और स्थानांतरित किए गए 104 पुलिस अधिकारियों की सूची जारी की है। इनमें राजेश पवार, चन्द्रशेखर भाबल, सतेश जाधव और शबाना शेख शामिल हैं, जिन्हें मुंबई में एसीपी के रूप में पदोन्नत किया गया है। सूची में सुनील जाधव, राजेश नागवाडे और प्रदीप वारंग भी हैं, जिन्हें मुंबई में राज्य खुफिया विभाग

में एसीपी के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, किशोर परब और परवीन कदम ,संजय नाइक को मुंबई में आतंकवाद विरोधी दस्ते में एसीपी के रूप में पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा, विश्राम अभ्यंकर को विशेष सुरक्षा विभाग में पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है। मदन बल्लाल को मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस में, विवेक जीवने को पालघर में, तनवीर शेख को नवी मुंबई की अपराध शाखा में और संजय शिंदे को नवी मुंबई पुलिस में एसीपी के रूप में पदोन्नत किया गया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : रविवार 15 अक्टूबर 2023

पुणे में 11 बांग्लादेशी हिरासत मे... मृतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड बरामद

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे शहर में अवैध रूप से रहने वाले कम से कम 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है, इनमें से तीन नाबालिग हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उनके पास जाली दस्तावेजों का उपयोग करके बनवाये गये पैन कार्ड, आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र मिले हैं ।एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्यह्यहमें देवाची उरुली इलाके में कुछ बांग्लादेशियों के अवैध रूप से रहने के बारे में सूचना मिली, जिसके बाद हमने तलाशी ली। वे बिना पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों के वहां रहते मिले हैं ।बांग्लादेश के रहने वाले ये लोग शहर में छोटे-मोटे काम करते हैं ।

मुंबई में रोजाना सामने आते हैं POCSO के तीन मामले

90% आरोपी रिश्तेदार या परिचित

मुंबई: मुंबई में POCSO (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत औसतन प्रतिदिन लगभग तीन मामले दर्ज किए जाते हैं। 30 सितंबर तक शहर में ऐसे 835 मामले सामने आए। इनमें से 441 छोटे बलात्कार के मामले थे, जिनकी पहचान दर 99% थी। इस साल नाबालिगों के खिलाफ अपराध पिछले साल की तुलना में थोड़े कम हैं। पिछले साल, सितंबर तक, 94% पहचान दर के साथ 453 छोटे बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे। इस साल बच्चों से छेड़छाड़ के 360 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत दर्ज मामले भी शामिल हैं और पिछले साल इसी अवधि के दौरान छेड़छाड़ के 357 मामले दर्ज किए गए थे। इसके अलावा, इस साल छेड़छाड़ के 14 मामले सामने आए, जबकि पिछले साल 32 मामले और 20 अन्य मामले सामने आए थे, जबकि पिछले साल 19 मामले सामने आए थे। ये सभी POCSO एक्ट के तहत आते हैं.

इस साल नाबालिगों से जबरन वेश्यावृत्ति कराने का कोई मामला सामने नहीं आया, जबकि पिछले साल ऐसा एक मामला सामने आया था। चिंता की बात यह है कि POCSO के 90% मामलों में आरोपी अक्सर परिवार के सदस्य, रिश्तेदार या परिचित होते हैं। शहर में हाल के मामलों में मलाड और देवनार में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले कराटे और क्रिकेट प्रशिक्षकों के साथ-साथ एंटॉप हिल में एक नाबालिग लड़की के अपमानजनक वीडियो का प्रसार शामिल है।

बाल कार्यकर्ता और बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष नंदिता अंबिके ने इस बात पर जोर दिया कि रिपोर्ट किए गए ढडउरड मामलों की संख्या सिर्फ हिमशैल का सिरा है। बहुत से बच्चे डर के कारण अपने अनुभव व्यक्त नहीं कर पाते और जब वे ऐसा करते भी हैं, तो उनके माता-पिता अक्सर उन पर विश्वास नहीं करते। हमारा समाज वयस्कों पर भरोसा करता है, और चूंकि ज्यादातर मामलों में रिश्तेदार या परिचित शामिल होते हैं, इसलिए ऐसी घटनाओं को छिपाए रखना परिवारों और समाज पर बोझ होता है।

अंबिके ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि POCSO कानून मजबूत है, लेकिन सिस्टम हमेशा इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं करता है। कानून के मुताबिक पुलिस पूछताछ के दौरान बच्चे से थाने में जिरह नहीं की जा सकती. आरोपी का वकील सीधे बच्चे से जिरह नहीं कर सकता। वकील को न्यायाधीश को लिखित प्रश्न प्रस्तुत करना होगा, जो उनकी जांच करेगा और फिर एक निजी कक्ष में बच्चे से प्रश्न पूछेगा। हालाँकि, कुछ मामलों में, बच्चों को अदालत में पेश किया जा रहा है, जो एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। इन मामलों को महिला पुलिस अधिकारियों द्वारा संभाला जाना चाहिए, और सिस्टम को अधिक बाल-अनुकूल पुलिस कर्मचारियों की आवश्यकता है।

बाल अधिकार कार्यकर्ता डॉ. यामिनी अदबे ने भी इसी तरह की चिंता जताई और इस बात पर जोर दिया कि समाज में कई ऐसे मामले हैं जो रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि कई बच्चे अच्छे और बुरे स्पर्श के बीच अंतर नहीं समझते हैं। सामाजिक दबाव के कारण रिश्तेदारों या परिचितों से जुड़े मामलों को छुपाया जा रहा है। जागरूकता पैदा करना और परामर्शदाताओं की उपस्थिति में निजी सेटिंग में कैमरे पर सुनवाई करना महत्वपूर्ण है। कानून मजबूत है, लेकिन सिस्टम को मजबूत करने की जरूरत है.

भारत ने पकिस्तान को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया है. भारतीय टीम ने 191 रनों के टारगेट को 30.3 ओवरों में हासिल कर लिया. श्रेयस अय्यर 53 और केएल राहुल 19 रन बनाकर नाबाद रहे. वहीं रोहित शर्मा ने 86 रनों की धांसू पारी खेली. भारतीय टीम की ओडीआई वर्ल्ड कप के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ ये लगातार आठवीं जीत रही.

मैच जीतने के लिए अब भारतीय टीम के सामने 192 रनों का आसान टारगेट है. पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम ने सबसे ज्यादा 50 रनों की पारी खेली. जबकि मोहम्मद रिजवान ने 49 रन बनाए. भारत के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने बराबर 2-2 विकेट झटके.

दोनों ही चिर प्रतद्विंद्वी टीमें इस मुकाबले से पहले वनडे वर्ल्ड कप में एक दूसरे के आमने-सामने सात बार आई हैं. वहीं सातों बार भारतीय टीम ने पाकिस्तान को बुरी तरह हराया है. यह दोनों ही देशों के बीच ओवरऑल 135वां वनडे मैच है. इससे पहले दोनों ही मुल्कों के बीच 134 मुकाबले खेले गए हैं. जहां भारत ने 56 मुकाबले जीते हैं, वहीं 73 मैचों में पाकिस्तान ने जीत दर्ज की है. खास बात यह है जब-जब दोनों ही देश वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबलों में एक दूसरे के आमने-सामने आए हैं उन सातों मौकों पर भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह रौंदा है.

डोंगरी से 40 वर्षों से अधिक समय से फरार वांछित आरोपी पकड़ा गया

मुंबईः पुलिस ने शुक्रवार को घोषणा की कि डोंगरी से एक वांछित आरोपी, जो 40 साल से अधिक समय से फरार था, को पकड़ लिया गया है. आरोपी सैय्यद ताहेर सैय्यद हासिम को अदालत ने 1982 में हत्या के प्रयास का दोषी ठहराया था। सैय्यद को पैरोल दी गई थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटा, जिसके कारण अदालत ने उसे 1985 में भगोड़ा घोषित कर दिया। कई खोज प्रयासों के बावजूद, वह पकड़ से बाहर रहा और सैय्यद ने अपने परिवार के साथ डोंगरी में अपना आवास खाली कर दिया था। कुछ महीने पहले, अदालत ने सैय्यद के खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया था, जिसके बाद डोंगरी पुलिस को व्यापक तलाशी लेनी पड़ी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दत्तारी खाड़े ने पीएसआई शान सुंदर भिसे के नेतृत्व में एक टीम बनाई। शुरूआत में उनके पास सीमित जानकारी थी, मुख्य रूप से डोंगरी में सैय्यद के अंतिम ज्ञात स्थान कल्याण मेंशन, एसवीपी रोड पर। उन्होंने सैय्यद के आयु वर्ग के व्यक्तियों का साक्षात्कार लिया, और महीनों की जांच के

बाद, उन्हें एक सुराग मिला झ एक कब्रिस्तान।

3 दिन और रात की सतत निगरानी के बाद सहायता प्रदान की गई

चूंकि सैय्यद एक ईरानी शिया मुस्लिम था, इसलिए पुलिस को सूचना मिली कि वह अपनी मां की मृत्यु के बाद मझगांव (रहमताबाद कब्रिस्तान) में ईरानी शिया कब्रिस्तान का दौरा कर सकता है। हालाँकि, यह जानकारी पाँच साल पुरानी थी और पुलिस को अधिक विवरण की आवश्यकता थी। सौभाग्य से, कई हफ्तों के बाद, उन्हें पता चला कि सैय्यद हैदराबाद, विशेष रूप से एर्रागड्डा नामक स्थान पर स्थानांतरित हो गया है। उसके स्थान का पता लगाने के लिए, उन्हें उसके फोन नंबर की आवश्यकता थी, जो अंततः उन्होंने मुखबिरों के साथ चर्चा के माध्यम से हासिल कर लिया। उसके स्थान की पहचान के साथ, एक टीम ने आसपास के क्षेत्र में उसकी गतिविधियों की निगरानी शुरू कर दी। तीन दिन और रात की लगातार निगरानी के बाद, स्थानीय बोराबंदा पुलिस की सहायता से उसके घर पर छापा मारा गया, जिससे उसकी गिरफ्तारी हुई। सैय्यद, जिसके 12 बच्चे हैं, सभी कामकाजी पेशेवर हैं, जिसमें एक बेटी जो दंत चिकित्सक है, ने खुलासा किया कि वह अपने पिछले अपराधों के लिए पुलिस द्वारा पकड़े जाने के डर में जी रहा था।

इस डर के कारण उन्हें एर्रागड्डा में बसने से पहले कर्नाटक और तेलंगाना के गुलबर्गा सहित विभिन्न स्थानों पर जाना पड़ा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सैय्यद अपनी युवावस्था के दौरान अंडरवर्ल्ड और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग से जुड़ी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल था। उनके आधार कार्ड से पता चलता है कि उनकी उम्र 65 साल है, लेकिन उनका दावा है कि वह अब 72 साल के हैं। उन्हें शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com